न्यूज डायरी

तो राष्ट्रपति बनते ही ट्रंप का मास्क कसवाने वाले हैं बाइडेन!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन जीत की दहलीज पर खड़े हैं। ऐसे में उन्होंने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए पहले ही संकेत दे दिया है कि राष्ट्रपति बनते ही वह कोरोना वायरस के रोकधाम के लिए कड़े प्रावधान लागू करने वाले हैं। अमेरिका में इन दिनों कोरोना वायरस के रिकॉर्ड मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बाइडेन के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस खतरनाक महामारी से देश को बचाना है। रिपब्लिकन प्रत्याशी और वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर कोरोना वायरस महामारी को बिगाड़ने के आरोप लगते रहे हैं। उन्होंने कई बार खुलेआम मास्क न लगाने की वकालत भी की है। लॉकडाउन को लेकर भी ट्रंप का नजरिया सकारात्मक नहीं रहा है। वे इसे देश की प्रगति में बाधा मानते रहे हैं। जबकि, अमेरिका के संक्रामक रोगों के सबसे बड़े एक्सपर्ट डॉक्टर फौसी समेत कई अन्य विशेषज्ञ ट्रंप के इन फैसलों की आलोचना करते रहे हैं।

कोरोना भगाने के लिए चरस पीने की इजाजत दो... पाकिस्तानी अदालत में अपील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तानी कोर्ट ने कोरोना वायरस के इलाज के लिए 10 ग्राम चरस पीने और उसे रखने को कानूनी मान्यता दिलाने की अपील खारिज कर दी है। जिसके बाद याचिकाकर्ता ने बड़ी अदालत में अपील करने का फैसला किया है। याचिकाकर्ता ने दावा है कि चरस पीने से कोरोना वायरस के संक्रमण से बचा जा सकता है। उन्होंने अपनी अपील में कई देशों में हुए वैज्ञानिक सर्वे का भी हवाला दिया है। अभी तक किसी भी शोध में यह साबित नहीं हुआ है कि चरस पीने से कोरोना वायरस का इलाज संभव है। न्यायमूर्ति मुहम्मद अली मजहर ने कहा कि आपको वास्तव में कहीं अधिक ऊंचे कोर्ट में अपील करने की जरूरत है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने जुर्माने से बचने के लिए दलील देते हुए प्रार्थना की कि वह एक गरीब आदमी है और उसने याचिका को बड़े जनहित में दायर किया है। इस पर जस्टिस मजहर ने जवाब दिया कि तब एकमात्र संभव तरीका सिंध हाईकोर्ट की उच्च बेंच में या फिर संयुक्त याचिका के जरिए अपील करना है।

पाकिस्तान में दो आतंकवादी मारे गये

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुल्तान। पाकिस्तान की आतंकवाद–निरोधक पुलिस ने कहा है कि उसने पूर्वी पंजाब प्रांत में रात भर चले एक अभियान के दौरान अलकायदा की स्थानीय इकाई के दो आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने शनिवार को एक बयान में बताया कि इन आतंकवादियों की डेरा गाजी खान जिले में 'विध्वंसक गतिविधियां' करने की योजना थी। आतंकवाद– निरोधक पुलिस के अधिकारी इमरान असगर के अनुसार खुफिया सूचना के आधार पर रात में चोटी बाला इलाके में आतंकवादियों के ठिकाने पर अभियान चलाया गया। उसी बीच आतंकवादियों ने पुलिस दल पर गोलियां चला दीं जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी। असगर के मुताबिक दो अन्य आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये, पुलिस ने मौके से हथियार एवं गोला–बारूद बरामद किए हैं।

अफगानिस्तान में विस्फोट में पूर्व टीवी प्रस्तोता की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान के तोलो टीवी में प्रस्तोता रह चुके यामा सियावाश की गाड़ी में लगाए गए एक बम में विस्फोट होने से उनकी और दो आम नागरिकों की मौत हो गई। काबुल पुलिस ने याह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता फिरदौस फरामर्ज ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मारे गए दो आम लोगों की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो सकी है। अभी किसी ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। प्रारंभिक खबरों के अनुसार पत्रकार अपने घर के नजदीक ही थे जब उनकी कार में लगाए बम में विस्फोट हुआ। प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद रफी के अनुसार कार में आग लगने के बाद सबसे पहले सियावाश के भाई और पिता वहां पहुंचे। रफी के अनुसार घटना में कार सवार सभी तीन लोग मारे गए।

एर्दोगन को फ्रांस–अमेरिका से पंगा लेना पड़ा भारी

नुकसान

तुर्की की मुद्रा 'लीरा' रिकॉर्ड निचले स्तर पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अंकारा। तुर्की के राष्ट्रपति रेचप तैय्यप एर्दोगन का अमेरिका और फ्रांस के साथ पंगा लेना भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। शुक्रवार को तुर्की की मुद्रा लीरा डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर देखी गई। शनिवार को लीरा में मामूली सुधार दिखाई दिया, फिर भी एक डॉलर का मूल्य 8.52 लीरा के निचले स्तर पर बना रहा। गुस्साए एर्दोगन ने लीरा में रिकॉर्ड गिरावट और महंगाई दर के ऊंचाई पर बने रहने के बीच शनिवार को देश के केंद्रीय बैंक के प्रमुख को हटा दिया।

पूर्व वित्त मंत्री केंद्रीय बैंक के नए प्रमुखः तुर्की के आधिकारिक गजट में राष्ट्रपति के फैसले की घोषणा की गयी है। इसके मुताबिक केंद्रीय बैंक के प्रमुख मूरत उयसाल को हटा दिया गया है और उनके स्थान पर पूर्व वित्त मंत्री नासी अग्बल को लाया गया है। तुर्की की मुद्रा लीरा के साल की शुरुआत से अब तक अपने मूल्य का लगभग एक तिहाई गिर

जाने के बाद राष्ट्रपति एर्दोआन ने यह निर्णय किया है।

अमेरिकी पाबंदियों से तुर्की की अर्थव्यवस्था संकट में: अमेरिका की पाबंदियों के कारण तुर्की की अर्थव्यवस्था इन दिनों संकट से गुजर रही है। सोमवार को ही आर्थिक प्रतिबंध लगाने की अमेरिका की चेतावनी के बाद तुर्की की मुद्रा लीरा रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई। तुर्की अमेरिका की अगुवाई वाले सैन्य संगठन नाटो का हिस्सा है। उसने रूस से एस–400 वायु रक्षा प्रणाली की खरीद की है। तुर्की ने इस प्रणाली का परीक्षण किया है, जिसके बाद अमेरिका ने तुर्की के ऊपर आर्थिक पाबंदियां लगाने की चेतावनी दी।

लीबिया में चल रही जंग में फ्रांस और तुर्की आमने-सामनेः तुर्की के एडम शोध संस्थान में विश्लेषक सिनान उल्गेन का मानना है कि अपने इस बयान के जरिए एर्दोगान ने यह दिखाने की कोशिश की कि वह पूरी दुनिया में मुस्लिमों के अधिकारों के रक्षक हैं। उल्गेन ने कहा, कार्टून को लेकर चल रहा विवाद दोनों देशों के बीच बढ़ रही प्रतिस्पर्द्धा का हिस्सा है। फ्रांस ने संयुक्त अरब अमीरात के साथ मिलकर एक रणनीतिक गठजोड़ बनाया है ताकि पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका में राजनीतिक इस्लाम के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला किया जा सके।

मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस्लाम को ढाल बना रहे एर्दोगन एर्दोगन धर्म और देशप्रेम की बातें लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने के लिए भी कर रहे हैं। पिछले कुछ महीनों से तुर्की की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। उसकी मुद्रा का मूल्य रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है। देश में बेरोजगारी और महंगाई के आंकड़े रोज नया रिकॉर्ड बना रहे हैं। तुर्की में पहले भी विद्रोह हो चुका है, जिसको एर्दोगन ने सेना के दम पर कुचल दिया था। ऐसे में वह इन मुद्दों के सहारे लोगों का ध्यान दूसरे मुद्दों पर केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं।

4 साल से कम समय में 20 हजार से भी ज्यादा झूठ बोल गए ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चार साल के राष्ट्रपति पद के कार्यकाल में 20000 से ज्यादा झूठ बोले हैं। फैक्ट चेक करने वाली वेबसाइट पोलिटीफैक्ट के अनुसार, 2016 से लेकर अबतक ट्रंप के आधे से अधिक बयान झूठे थे। वॉशिंगटन पोस्ट के डेटाबेस के अनुसार, उन्होंने अना कार्यभार संभालने के बाद दिनोंदिन अधिक संख्या में झूठी बयानबाजी की है।

ट्रंप ने अपने चार साल के कार्यकाल में कम से कम 407 बार दावा किया है कि उन्होंने सबसे मजबूत अमेरिकी अर्थव्यवस्था का निर्माण किया है। सही यह है कि ट्रंप के कार्यकाल से अधिक मजबूत अर्थव्यवस्था आइजनहावर, लिंडन बी जॉनसन और बिल क्लिंटन के समय रही थी।

ट्रंप ने राष्ट्रवादी विचारधारा को हवा देने के लिए अपने कार्यकाल से शुरूआत से ही मेक्सिको बॉर्डर पर अवैध प्रवासियों को घुसने से रोकने के लिए बड़ी दीवार बनाने का ऐलान किया था। वे बार–बार कहते रहते हैं कि जल्द ही इस दीवार को बनाने का काम पूरा होने वाला है। जबकि वास्तविकता यह है कि अब एक कंक्रीट की दीवार बनाने का काम शुरू हुआ है, जबकि पहले से मौजूद बाड़ के कुछ हिस्सों को बढ़ाया गया है।

सीक्रेट सर्विस ने बढ़ाई जो बाइडेन की सुरक्षा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने जो बाइडेन के आसपास सुरक्षा घेरे को और कड़ा कर दिया है। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन की निर्णायक बढ़त को देखते हुए सीक्रेट सर्विस ने यह फैसला लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, सीक्रेट सर्विस ने एजेंटों के एक अतिरिक्त दस्ते को डेलावेयर के विल्मिंगटन स्थित बाइडेन के प्रचार कार्यालय की सुरक्षा में तैनात कर दिया गया है। माना जा रहा है कि शुक्रवार से पहले ही जो बाइडेन अपने चुनाव कार्यालय से राष्ट्रपति चुनाव में जीत का ऐलान कर सकते हैं। ऐसे में किसी भी हिंसा से निपटने और भावी राष्ट्रपति की सुरक्षा को देखते हुए सुरक्षा के स्तर को बढ़ाया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति पद से हट जाएंगे ट्रंप तो ताउम्र मानने होंगे ये नियम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमेरिका। राष्ट्रपति पद से हटते ही डोनाल्ड ट्रंप पर अमेरिका के कुछ नियम लागू हो जाएंगे। इन नियमों के तहत जहां ट्रंप के बाकी जीवन में कुछ पाबंदियां लगी रहेंगी तो कुछ ऐसी शर्तें भी लागू होंगे जिनसे उनके जीवन में प्राइवेसी नाम की कोई चीज नहीं रह पाएगी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपतियों के साथ लागू होने वाले कुछ नियम तो इतने उबाऊ हैं कि बराक ओबामा समेत कई पूर्व राष्ट्रपति कुछ मौकें पर खीझ भी गए।

अमेरिका के सभी पूर्व–राष्ट्रपतियों की जिंदगी हमेशा खतरे में रहती है। इसलिए उन्हें ताउम्र सुरक्षा

हर पूर्व राष्ट्रपति के नाम पर पुस्तकालय

मिलती है और सिक्रेट सर्विस एजेंट हमेशा उनके साथ होते हैं। अमेरिका के कोई भी पूर्व राष्ट्रपति सुनसान सड़कों पर तो ड्राइव कर सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक तौर पर ड्राइविंग नहीं कर सकते। 1963 में जॉन एफ केनेडी की हत्या के बाद 1963 से 1969 तक अमेरिका के राष्ट्रपति रहे लिंडन बी. जॉनसन वो आखिरी राष्ट्रपति थे जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद भी खुले में ड्राइविंग की थी।

अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर रहते हुए तो राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर तरोताजा जानकारियां मिलती ही रहती हैं, रिटायरमेंट के बाद भी यह सिलसिला जारी रहता है। पूर्व राष्ट्रपति से राष्ट्रीय सुरक्षा पर आजीवन सलाह ली जाती है। याद रहे कि 2018 में ऐसी खबर आई थी कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी जानकारियों से महरूम करने की धमकी दी। हालांकि, बाद में ट्रंप ने इस खबर को गलत बताया था। 1955 प्रेजिडेंशियल लाइब्रेरीज ऐक्ट के तहत हरेक पूर्व राष्ट्रपति के नाम पर एक लाइब्रेरी होगी। इस लाइब्रेरी में संबंधित व्यक्ति के राष्ट्रपति के तौर पर लिए गए फैसलों और उनके कार्यकाल की प्रमुख घटनाओं की जानकारी उपलब्ध होती है। जब राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने अपने कार्यकाल में हुए विश्व प्रसिद्ध वॉटरगेट कांड से संबंधित जानकारियां छिपाने की कोशिश कीं।

म्यामां चुनाव एवं सू ची की संभावित जीत पर एक नजर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यांगून। म्यामां में रविवार को राष्ट्रीय एवं राज्य के चुनाव होने हैं जिसमें नोबेल शांति पुरस्कार विजेता आंग सान सू ची की 'पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी' सत्ता में फिर से आने की कोशिश कर रही है। म्यामां के पांच करोड़ 60 लाख लोगों में से तीन करोड़ 70 लाख से अधिक लोग अपने मताधिकारों का इस्तेमाल कर सकेंगे। देश की 90 से अधिक पार्टियों ने संसद के ऊपरी और निचले सदन के लिये उम्मीदवार उतारे हैं । म्यामां में 2015 में हुये चुनाव में नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी की जबरदस्त जीत के साथ देश से 50 साल के सैन्य अथवा सैन्य निर्देशित शासन का अंत हुआ था। उन चुनावों को बहुत हद तक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप में देखा गया था लेकिन उसमें एक अपवाद था । सेना ने 2008 में संविधान तैयार किया था जिसके अनुसार संसद की 25 फीसदी सीट स्वतरू सेना को मिल जाती हैं जो संवैधानिक बदलाव को अवरूद्ध करने के लिये पर्याप्त हैं। देश में लहर सू ची की पार्टी की है और वह जीत सकती है, हालांकि बहुमत कम मिलने के आसार हैं।